डायमण्ड कॉमिक्स

NO.D-45 Rs

राजन इकबाल और इन्टरनेशनल गैंग

@comics_hindi

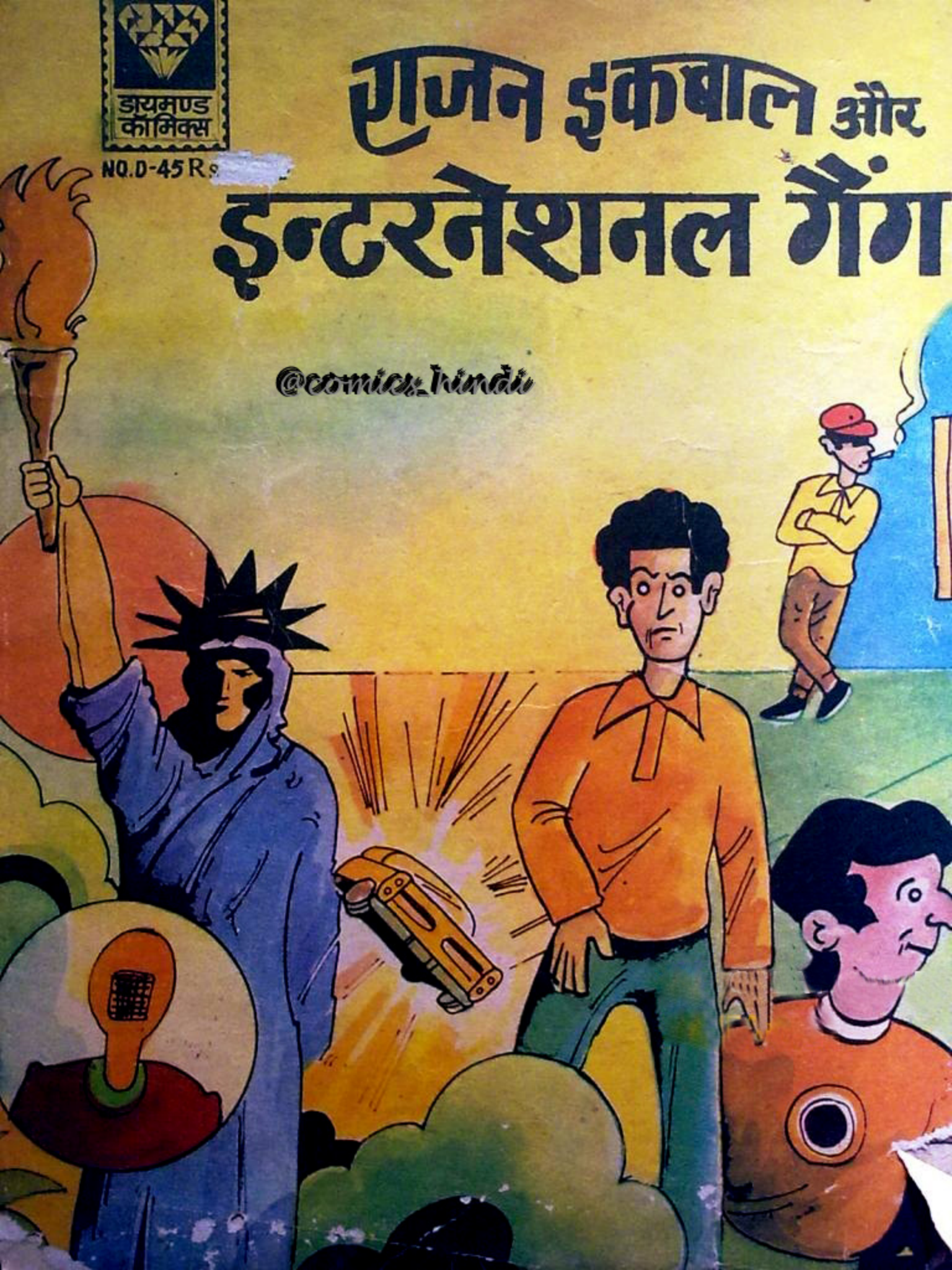

3140
620
Library Accession
No. 620
1490
846004

राजन-इकबाल और इन्टरनेशनल गैंग

कहो राजन- इक़बाल पार्टी कैसी रही?
वाकई, पार्टी तो बड़ी शानदार रही..... लेकिन नितिन तुम्हारे पापा कहाँ हैं?
शायद अपनी प्रयोगशाला में होंगे! आजकल वे बहुत व्यस्त हैं!
आओ इक़बाल, नितिन के पापा से मिल लें!
हाँ हाँ चलो!
प्रयोगशाला में-
आओ. आओ राजन- इक़बाल कैसे हो?
ठीक हैं अंकल!

राजन-इक़बाल इनसे मिलो, ये हैं श्री बनवारीलाल! मेरे जिगरी दोस्त, कल ही लंदन से लौटे हैं!
जी नमस्ते!

और आप हैं महान जासूस राजन-इक़बाल!

अच्छा दोस्तो, मैं अब चलूँ! मुझे एक ज़रूरी काम याद आ गया है!

बनवारीलाल चला जाता है।
वाह! क्या चमचमाती कार है!

विदेश से ही लाए होंगे!
आओ बच्चो, अंदर चलें!
नितिन तो लगता है सो गया है!

राजन- इक़बाल, मुझे तुम दोनों से कुछ ज़रूरी बातें करनी हैं!

हाँ-हाँ ज़रूर! कहिए क्या बात है?

दरअसल पिछले दिनों मैं एक कंप्यूटर के लिए शोध-कार्य कर रहा था और आज ही मैं एक ऐसे कंप्यूटर का फ़ार्मूला तैयार करने में-

इस फ़ाइल में वह फ़ार्मूला है, मेरी पाँच वर्षों की मेहनत!

कामयाब हो गया तो जो पुलिस तथा नागरिकों के लिए वरदान साबित होगा!

तुम लोग इसे पढ़ लेना!

अंकल, आप ज़रा इस कंप्यूटर के बारे में विस्तार से बताइए!

हम लोग आज रात को ही इसे पूरा पढ़कर सोएंगे!

हाँ हाँ, ज़रूर वैसे भी मैं तुम लोगों को बता देना चाहता हूँ, क्योंकि तुम लोग जासूस हो!

इस फ़ाइल में एक ऐसे कंप्यूटर के निर्माण का फ़ार्मूला है जो महत्वपूर्ण सरकारी दफ़्तरों, बैंकों, बड़े उद्योगों आदि के लिए उपयोगी होगा!

सभी महत्वपूर्ण दफ़्तरों में कंप्यूटर लगा दिए-
जाएंगे! सभी दफ़्तरों के कंप्यूटर एक मुख्य कंप्यूटर से संबंधित होंगे, जो शहर की-
मुख्य कोतवाली में रखा जाएगा!
किसी भी दफ्तर, बैंक या बड़े संस्थान में, जिनमें यह कंप्यूटर लगे होंगे में यदि कोई ऐसा व्यक्ति प्रवेश करेगा, जिसके पास पिस्तौल, बम या किसी प्रकार का घातक हथियार होगा तो उस दफ़्तर का-
कंप्यूटर तुरंत कोतवाली में रखे मुख्य कंप्यूटर को सूचित कर देगा!
फिर क्या होगा अंकल?

मुख्य कंप्यूटर को संकेत मिलते ही उसके परदे पर उस दफ़्तर का नाम चमक उठेगा! इसके साथ ही कंप्यूटर के ऊपर लगी लाल बत्ती जल उठेगी और ख़तरे की घंटी बजने लगेगी!

ये सारा काम दो सेकेंड में हो जाएगा!

अंकल, यह कंप्यूटर विदेशों में भी तहलका मचा देगा!

वाह! इस प्रकार पुलिस को अपराधियों को पकड़ने में काफ़ी मदद मिलेगी!

आज हमारे देश को ऐसे ही उपकरणों की बहुत ज़रूरत है, जिससे अपराधों की रोकथाम हो सके!
यह कंप्यूटर कानून के हाथों की लंबाई और बढ़ाने में काफ़ी सहायक सिद्ध होगा!
हाँ, मैंने इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए यह फ़ामूला तैयार किया है!
अगले महीने तक कंप्यूटर बनकर तैयार हो जाएगा!
अच्छा अंकल, काफ़ी रात हो गई है! अब हम चलते हैं!

कल यह फ़ाइल पढ़ने के बाद लौटा देंगे! गुडनाइट अंकल!
गुडनाइट!
आऽऽ आज बड़ी जल्दी आ गया अखबार वाला!
राजन जा देख कौन है!
टर्न टर्न टर्न....
अगले दिन सुबह
टर्न टर्न ऽऽऽऽ.....
टर्न.... टर्न ऽऽऽऽ
पता नहीं कौन आ गया! अखबार वाला तुआ तो उसकी आज खैर नहीं! हजार बार समझा चुका हूँ कि इतनी सुबह न आया करे!
दरवाज़ा खुलते ही-
अरे! नितिन, तुम इतनी सुबह!?

क्या बात है? बड़े घबराए हुए से लग रहे हो!
अरे, नितिन तुम
कल रात एक दुर्घटना हो गई!
क्या हुआ? पूरी बात बताओ!
पिछली रात मैं अपने कमरे में सो रहा था! पापा शायद प्रयोगशाला में काम कर रहे थे!
तभी अचानक मेरी नींद खुली!
अरे! यह कैसी आवाज़ें आ रही हैं? इतनी रात गए ज़ोर-ज़ोर से कौन चिल्ला रहा है?

मैं अपने कमरे से निकला.....
और पापा के कमरे के पास गया!
दरवाज़ा बंद है! पहले तो ऐसा कभी नहीं हुआ!
मैं ने की-होल से अंदर झांका-
और देखा-
अरे! पापा की जान खतरे में है! पुलिस को फोन करूं!

अरे! फोन भी खराब है..... ज़रूर इन बदमाशों का काम है!

-फिर जब मैं वापिस कमरे की तरफ गया तो कमरे का दरवाज़ा खुला था.....

और पापा तथा उन बदमाशों का कहीं पता न था! मेज़ पर यह पत्र रखा था!

राजन पत्र पढ़ता है-

यदि अपने पापा को ज़िंदा देखना चाहते हो तो कल शाम पाँच बजे, शहर के बाहर नीली पहाड़ी के खंडहरों में कंप्यूटर के फार्मूले की फाइल लेकर अकेले आओ! खबरदार.... यदि पुलिस या कोई दूसरा आदमी साथ हुआ तो अंजाम बहुत बुरा होगा!

धीरज रखो नितिन हम तुम्हारी सहायता करेंगे!

हूँ..... तो ये सब उसी फ़ार्मूले के कारण हुआ !
गुंडों ने फाइल मांगी है, लेकिन मैं ने पूरे घर में फाइल खोजी, कहीं भी नहीं मिली !
फाइल की चिंता छोड़ें वह हमारे पास है !
तुम घर जाओ नितिन, हम जल्दी ही तुम्हारे पापा को ढूंढ़ लाएंगे !
धीरज रखना, घबराना मत !

नितिन के जाने के बाद-
हमें कोई ऐसी तरकीब सोचनी चाहिए जिससे नितिन के पापा की भी खोज निकालें और फ़ाइल भी हमारे पास सुरक्षित रहे!
हम शाम चार बजे तक एक नकली फ़ाइल तैयार करते हैं.....
वह नकली फ़ाइल लेकर हम पाँच बजे नीली पहाड़ी के खंडहरों पर जाएंगे!
कुछ घंटे बाद थाने में-
अरे ये निशान! यह तो अंतर्राष्ट्रीय लुटेरों का बहुत ही खतरनाक गिरोह है! दुनिया के कोने-कोने में इनका जाल फैला है! हर देश की पुलिस को उनकी तलाश है!

इनका गिरोह आधुनिक उपकरणों तथा हथियारों से लैस है जैसे- मशीनगन, मिसाइलें, स्टेनगन आदि! ट्रांसमीटर युक्त कारों तथा विदेशी पिस्तौलों से लैस आदमियों की तो कोई कमी ही नहीं है इनके पास!

तो क्या आपका मतलब है शत्रु कानून से भी ज़्यादा ताक़तवर है!?

बिल्कुल नहीं! क़ानून की तेज़ निगाहों से कोई अपराधी नहीं बच सकता! चाहे वह कितना ही बड़ा और ताक़तवर क्यों न हो!

तो आपका क़ानून उसे आज तक क्यों नहीं पकड़ सका!

क़ानून!..... क़ानून तो वह अंधा सिपाही है जो बिना सबूत की रौशनी के अपना हथियार नहीं उठा सकता..... और इन कंबख्तों ने तो आज तक कोई सबूत छोड़ा ही नहीं!

ख़ैर, हमने नितिन से उसके पापा को खोज निकालने का वादा किया है! हम अपना वादा ज़रूर निभाएंगे!
लेकिन, यह अंतर्राष्ट्रीय लुटेरे हैं! तुम दोनों अकेले उनसे टक्कर नहीं ले सकते!
अंकल आज तक हमारा पाला जिन लोगों से पड़ा, वह सब छोटे-मोटे बदमाश थे..... खेल का मज़ा तो अब आएगा!
मेरी शुभकामनाएं हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगी!
किसी प्रकार की सहायता की ज़रूरत हो तो मुझे बता देना!

शाम को चार बजे-
राजन, सब ठीक है न! बुलेट प्रूफ़ जैकेट पहन ली?
हाँ, सब ठीक है!

शहर से बाहर आ गए, मैं स्पीड और तेज़ करता हूँ। वरना देर हो जाएगी!

और कितनी दूर हैं नीली पहाड़ी के खंडहर?

बस आ ही गए!

कार यहीं रोक दो! आगे हमें पैदल ही जाना होगा!
अरे! पाँच बजने में सिर्फ़ दस मिनट बचे हैं

इक़बाल, देखो वह लाल विदेशी कार!
अरे! यह तो बनवारी अंकल की लगती है!
लेकिन, इस सुनसान जगह पर उनके आने का कारण?
शायद यहीं कहीं हों.... उनसे फिर कभी पूछ लेना। अभी अगर देर हो गई तो नितिन के पापा की जान को खतरा हो सकता है!
थोड़ी देर बाद-
लो खंडहरों तक तो आ पहुँचे!
लेकिन यहाँ तो दूर-दूर तक कोई भी दिखाई नहीं दे रहा है!

कहीं लुटेरों को हमारे आने का पता न चल गया हो!
अरे! वह देखो इकबाल, इस विरान जगह पर लाल झंडी लहरा रही है..... आओ चलकर देखते हैं!
अरे! इस झंडी पर भी वही निशान है जो पत्र में बना था!
देखो, एक पत्र भी साथ बंधा है!
इकबाल पत्र निकालकर पढ़ता है।
तो तुम आ गए राजन-इकबाल! हमें मालूम था तुम दोनों जरूर बीच में आओगे, वह भी नकली फाइल के साथ। अब हमसे टकराने का अंजाम तुम खुद ही देख लेना....

नीली पहाड़ी के खंडहरा पर राजन-इकबाल दुश्मनों का संदेश पढ़ रहे थे और इसी बीच एक आदमी उनकी कार में टाइम बम फिट कर रहा था।

ठीक पंद्रह मिनट बाद बम फटेगा हा हा हा.....

दुश्मन बहुत चालाक है! ज़रूर कोई आदमी हमारी निगरानी कर रहा है!

रास्ते में अभी बनवारी लाल की कार भी तो खड़ी थी!

आओ देखें क्या माजरा है!

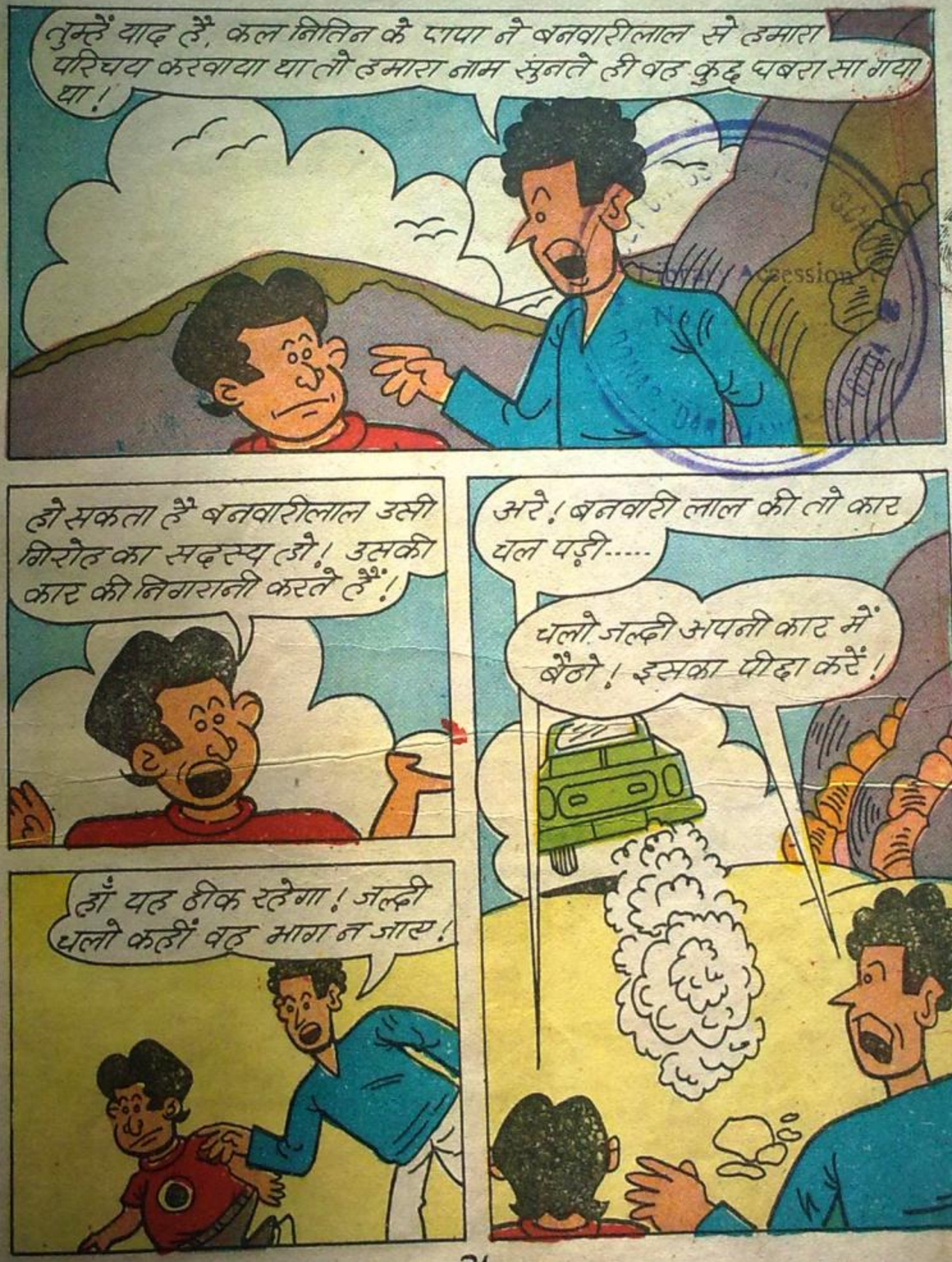
तुम्हें याद है, कल नितिन के पापा ने बनवारीलाल से हमारा परिचय करवाया था तो हमारा नाम सुनते ही वह कुछ घबरा सा गया था!
हो सकता है बनवारीलाल उसी गिरोह का सदस्य हो! उसकी कार की निगरानी करते हैं!
अरे! बनवारी लाल की तो कार चल पड़ी.....
चलो जल्दी अपनी कार में बैठो! इसका पीछा करें!
हाँ यह ठीक रहेगा! जल्दी चलो कहीं वह भाग न जाए!

राजन, बनवारीलाल शहर की तरफ गया है!

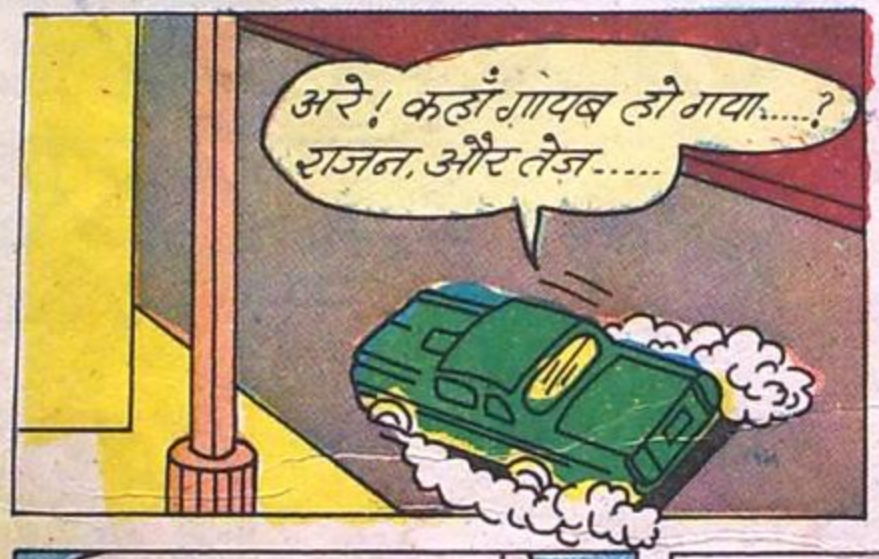
अरे! कहाँ ग़ायब हो गया.....? राजन, और तेज़.....

और तेज़.....

वह रही बनवारीलाल की कार.....

राजन - इक़बाल, बनवारीलाल का पीछा कर रहे थे.

– और मौत उनका पीछा कर रही थी।

थोड़ी देर बाद बनवारीलाल की कार एक बंगले के पास रुकती है।

टाइम बम की सुई आगे बढ़ती जा रही है।

राजन, जल्दी आओ! बनवारीलाल इसी बंगले में गया है!
तभी एक धमाके से टाइम-बम फटता है।
धमाका
ओह! तो हमारी कार में टाइम-बम लगा हुआ था!
बाल-बाल बचे! आओ, बनवारीलाल से पूछताछ करें!

बनवारीलाल, तुम्हारा खेल खत्म हो चुका..... बाहर आ देश के दुश्मन!
ओह! यह दोनों ज़िंदा हैं!
भाग जाओ यहाँ से वरना.....
राजन अचानक झपटता है-
बताओ नितिन के पापा को कहाँ छिपाया है?

म..मुझे नहीं मालूम.....

आह!

बताओ!

ब..ब..बस करो..... बताता हूँ..... मैंने राधाकृष्णन को धोखा दिया है..... मेरे ही आदमियों ने उनका अपहरण किया!
नितिन के पापा कहाँ हैं?

यहाँ से ठीक.....
तभी एक लाश खिड़की से अंदर आता है-और-
आह! आखिर बॉस को पता..... चल ही गया.....
अरे! यह तो मर गया!
इकबाल, आओ उसका पीछा करें जिसने गोली चलाई है!
लेकिन हमारी कार तो नष्ट हो गई है!

वह देखो..... यही होगा!
ओह! भाग गया!
तभी नितिन आता है-
अरे! नितिन तुम यहाँ?
हाँ, मैंने सोचा शायद बनवारी अंकल को पापा के बारे में कुछ मालूम हो!
तुम ठीक वक़्त पर पहुँचे..... बनवारी तुम्हारे पापा का दोस्त नहीं दुश्मन था!
क्या मतलब?

उसने ही तुम्हारे पापा का अपहरण करवाया था! उसे अपने किए की सज़ा मिल गई है! उसकी लाश अंदर पड़ी है!
तुम इंस्पेक्टर खन्ना को सूचित कर दो..... हम तुम्हारी कार से उस बदमाश का पीछा करते हैं!
अगले ही पल-
राजन, बदमाश की कार इस तरफ़ गई थी!
VOTE
और तेज़ राजन, अगर यह हाथ से निकल गया तो इस अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के अड्डे तक पहुँचना मुश्किल हो जाएगा!

वह रही उसकी कार !
और तेज़ राजन ! कार उसके बराबर तक ले चलो ! मैं कूद कर उसकी कार में चला जाऊंगा !
लेकिन तभी एक कार आती है, उसमें से बदमाश की कार पर गोलियों की वर्षा होने लगती है-
आह !
और बदमाश की कार का संतुलन बिगड़ जाता है।

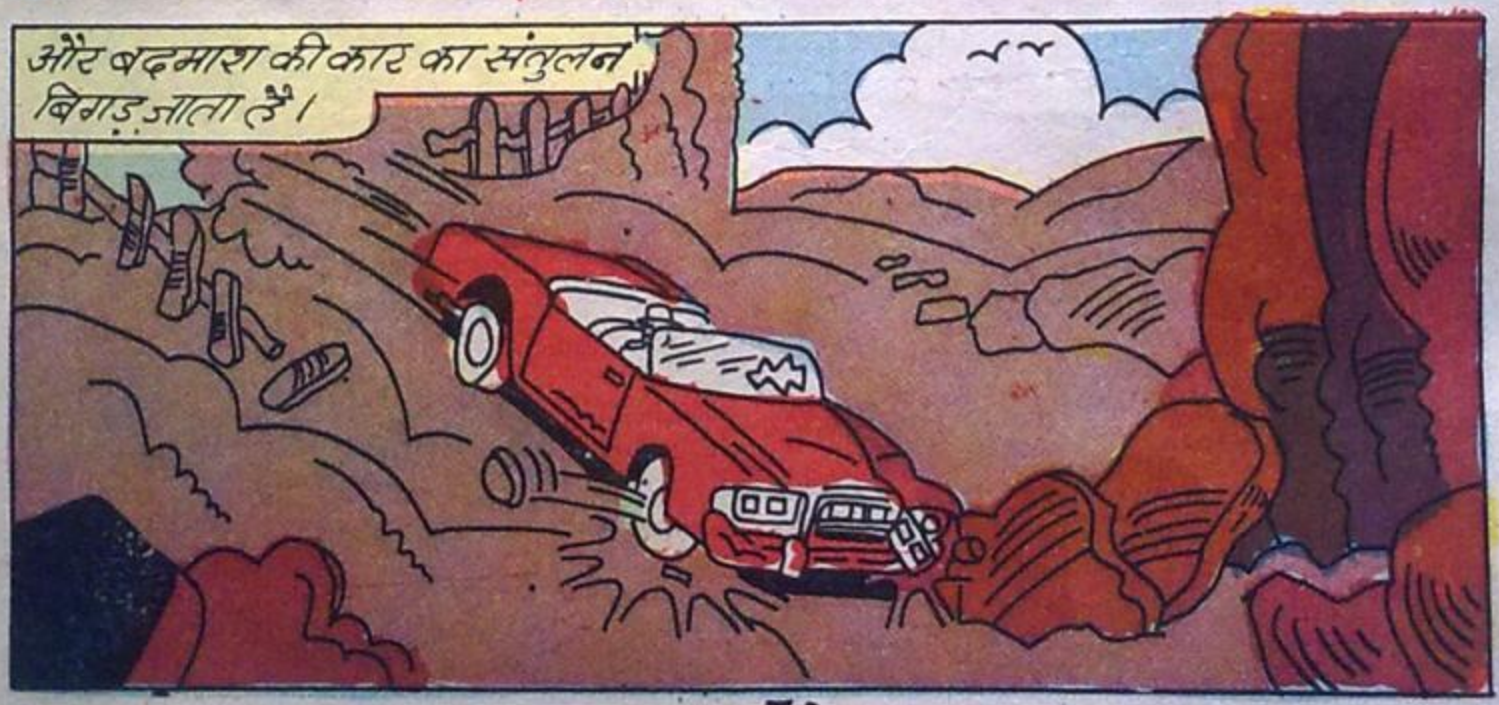

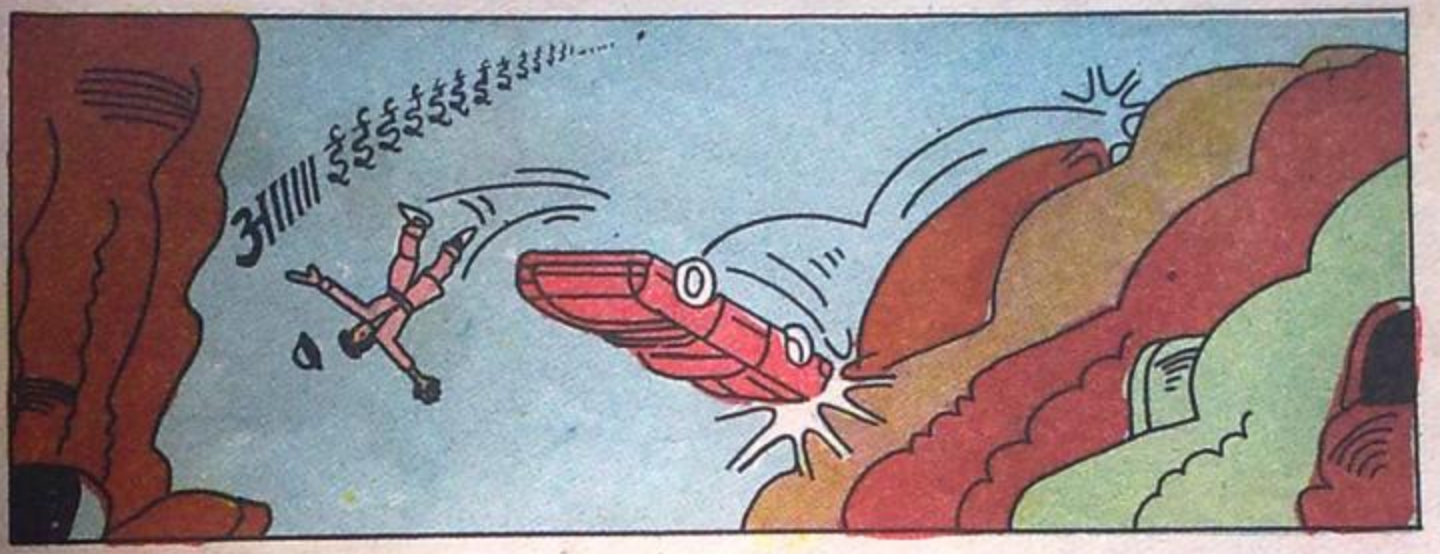

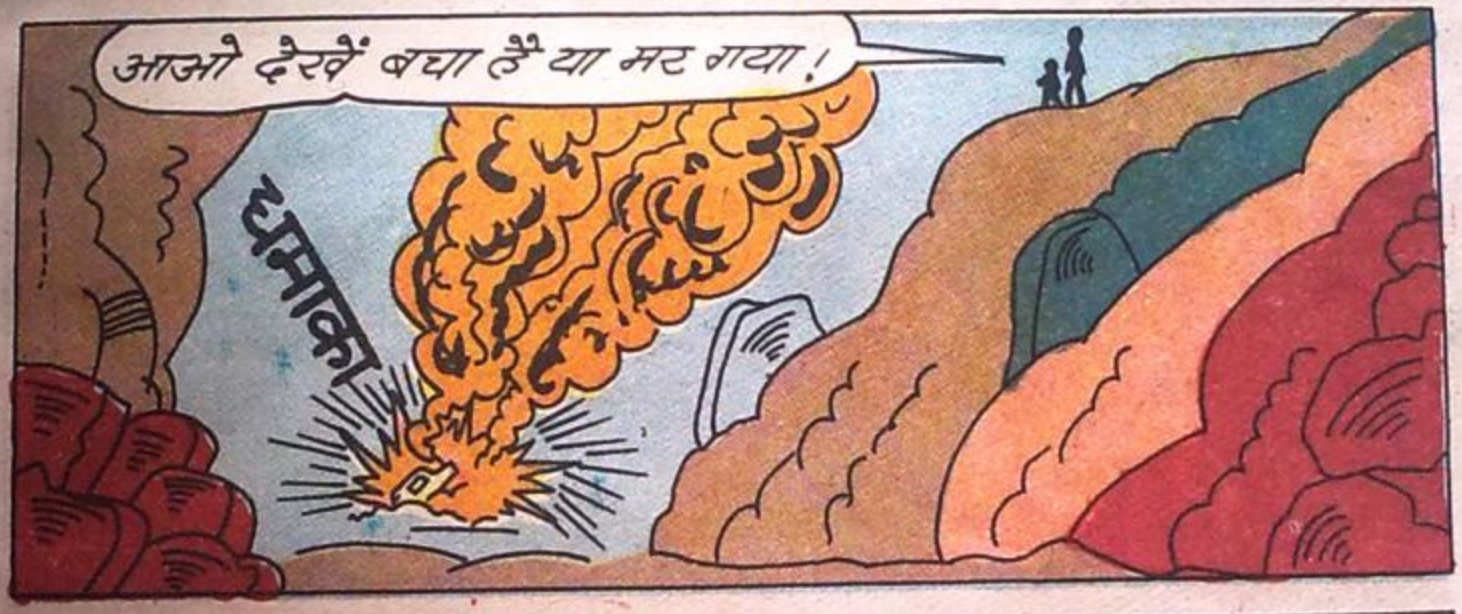

आ!!!! ईईईईईईईईईई......
आओ देखें बचा है या मर गया!
धमाका
आह! आह!
कौन हो तुम? तुमने बनवारी का खून क्यों किया
मरते वक्त आदमी को झूठ नहीं बोलना चाहिए..... सच-सच बताओ!

म..... मेरा नाम रहमान है..... मैं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का सदस्य हूँ..... हम..... हम किसी भी सदस्य का मुँह खुलने से..... पहले ही..... बंद कर देते हैं!
तुम्हारा अड्डा कहाँ है?
फ्लैट नंबर 44, नीलगिरी!
तुम्हारा बॉस कौन है..... हाँ हाँ बोलने की कोशिश करो.....!
न..... नहीं मालूम..... उसका संदेश टी.वी. या ट्रांसमीटर.... पर प्राप्त होता..... है..... आह!
ओह! यह तो मर गया!
न मरता तो इसके साथी इसे मार देते!

इंस्पैक्टर खन्ना को इस लाश के बारे में सूचना देकर हम लोग फ़्लैट नंबर ५५ की ओर चलते हैं!
हाँ चलो!

उधर फ़्लैट नंबर ५५ में-
ओफ्फो! राजन-इकबाल! राजन इकबाल!! राजन-इकबाल!!! नाक में दम कर रखा है दोनों छोकरों ने! फ़ाइल लेनी तो दूर, हमें अपना बचाव करना भी मुश्किल होता जा रहा है!

पहले ही हमारे दो वफ़ादार आदमी मारे जा चुके हैं..... और अगर इसी तरह वह हमारे पीछे लगे रहे तो हमारा नामो निशान मिट जाएगा!

उस फ़ाइल के हाथ लगते ही दोनों को ठिकाने लगा दो!

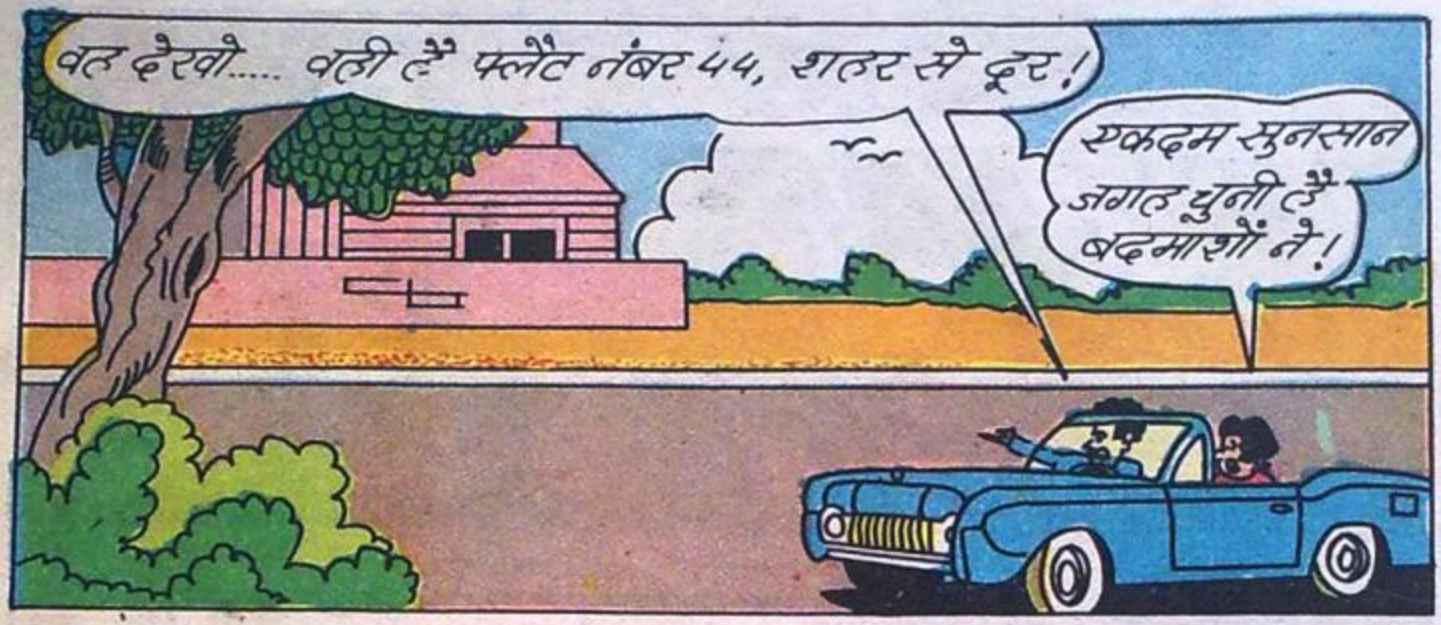
वह देखो..... वही है फ्लैट नंबर 44, शहर से दूर!
एकदम सुनसान जगह चुनी है बदमाशों ने!

बंदूकलिए पहरेदार तैनात हैं!

एक तरकीब सूझी! मैं इधर वाले को संभालता हूं, तू उधर वाले को संभाल!
ठीक है!

आह!

आह!

अंदर-
अब राधाकृष्णन के लड़के का भी अपहरण करना पड़ेगा तभी राजन- इकबाल फाइल देंगे!
यह कैसे हो सकता है? नितिन चौबीस घंटों पुलिस की हिफ़ाज़त में रहता है!
तभी-
दूसरों की जानों का सौदा करने वालो, अब अपनी जान की खैर मनाओ!
खबरदार! अपनी-अपनी जगहों पर बैठे रहो, वरना भून दिए जाओगे!
त..... तुम लोग यहाँ तक कैसे पहुँचे..... किसने बताया इनको यहाँ का पता?
घबराओ मत, हम तुम तक भी पहुँचने वाले हैं!

अभी तुम लोग बच्चे हो! तुम्हारे खेलने के दिन हैं, कहाँ हम बुज़ुर्गों में अपनी नन्हीं जानें फँसा रहे हो!
बकवास बंद करो! यह बताओ राधाकृष्णन अंकल कहाँ हैं?
वे हमारे पास आराम से हैं! अगर तुम लोग फ़ाइल दे दो तो हम उन्हें सही सलामत लौटा देंगे!
हम फ़ाइल देने नहीं, राधाकृष्णन जी को लेने आए हैं! तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम उन्हें हमारे हवाले कर दो!
हा हा हा..... नादान बच्चो, जो लोग हमारे अड्डे को इतना क़रीब से देख लेते हैं, हम फिर उन्हें कभी कुछ देखने का मौका नहीं देते!

अब हमारा यह अड्डा बेकार हो चुका है, यहाँ के आदमी भी अब काम के नहीं रहे! मैं अभी एक बटन दबाता हूँ..... और यह अड्डा धमाके के साथ आग की लपटों में घिर जाएगा! तुम दोनों मुझ तक कभी नहीं पहुँच सकते हा हा हा हा.....

तभी-

इक़बाल कूदो.....

ओह! बाल-बाल बचे!

धमाको

कितना ज़ालिम होगा इनका बॉस जिसने अड्डे के साथ ही अपने आदमियों को भी ज़िंदा जला दिया!

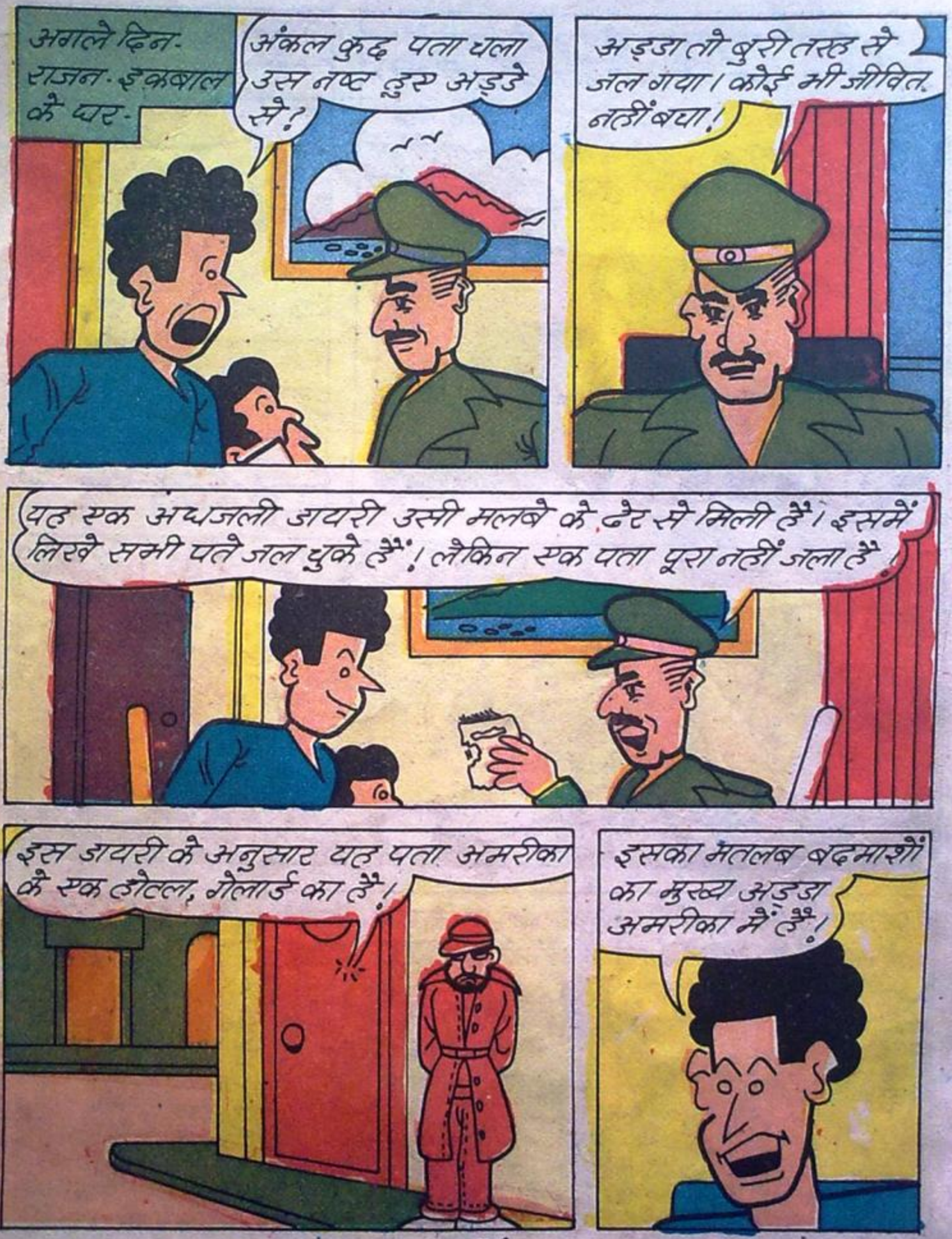
अगले दिन-
राजन-इकबाल के घर-
अंकल कुछ पता चला उस नष्ट दूर अड्डे से?
अड्डा तो बुरी तरह से जल गया। कोई भी जीवित नहीं बचा!
यह एक अधजली डायरी उसी मलबे के ढेर से मिली है। इसमें लिखे सभी पते जल चुके हैं! लेकिन एक पता पूरा नहीं जला है।
इस डायरी के अनुसार यह पता अमरीका के एक होटल, गैलार्ड का है!
इसका मतलब बदमाशों का मुख्य अड्डा अमरीका में है!

हाँ, इसलिए मैं चाहता हूँ कि तुम दोनों कल ही अमरीका के लिए रवाना हो जाओ! तुम लोग होटल गैलार्ड में पर्यटकों के रूप में ठहरोगे!

आगे का काम मैं तुम पर छोड़ता हूँ! अमरीकी पुलिस को तुम्हारे पहुँचने की सूचना आज ही मिल जाएगी!

अगले ही दिन राजन-इकबाल अमरीका के लिए रवाना होते हैं-

इक़बाल, इस बार मज़ा आएगा दुश्मन से टक्कर लेने का!

तुम ठीक कह रहे हो राजन!

योर अटेंशन प्लीज़..... यात्रियों से निवेदन है कि वे अपनी-अपनी पेटियाँ बाँध लें..... कुछ ही देर में जहाज़ अमरीका के कैनेडी हवाई अड्डे पर उतरने वाला है!

हलो मिस्टर राजन-इक़बाल! मेरा नाम स्मिथ है! अमरीकी पुलिस की तरफ़ से आपका स्वागत है!

लेकिन, मिस्टर स्मिथ आपने हमें पहचाना कैसे?

आप दोनों को भला कैसे नहीं पहचानेंगे! दुनिया के कोने-कोने में आपकी जासूसी के चर्चे आए दिन होते ही रहते हैं!

CUS

आइए बैठिए!

और कार तेज़ी से चल देती है-

POLICE

हा हा हा..... इंडियन पुलिस ने इन छोकरों को भेजा है हमारी जासूसी करने..... हाहा

!?

तो तुम पुलिस के वेश में बदमाश हो?
थोड़ी देर बाद बदमाशों की कार गैलार्ड होटल के पास रुकती है।
खूब पहचाना जासूसो!
चुपचाप चलते रहो!
आओ राजन-इक़बाल! हम तुम दोनों का स्वागत करते हैं!
यह आवाज़ कहाँ से आई?

थके होगे, आराम करो। तब तक मैं भी सिंगापुर के अड्डे से बात कर लूँ! वहाँ भी तुम जैसे जासूसों ने अड्डे का भेद जान लिया है!

!?

!?

जॉन, इन्हें राधाकृष्णन से मिलवा दो! ध्यान रहे, मेहमानों को किसी भी तरह की तकलीफ़ न हो!

दूसरे कमरे में-

अंकल आप ठीक तो हैं न!?

!?!

हाँ, लेकिन तुम लोग यहाँ कैसे?

हम आपको लेने आए हैं!

इतना आसान नहीं है बच्चो! हम लोग ऐसे आदमी के चंगुल में फँसे हैं जिसके पीछे दुनिया भर की पुलिस पड़ी है!

दूसरी तरफ़ अमरीकी पुलिस परेशान थी-
राजन-इक़बाल को बदमाश ले गए! यह हमारे विभाग के लिए शर्म की बात है!
सर, उन बदमाशों ने हमारे पुलिसवालों की हत्या की और वर्दी तथा कार लेकर भाग गए!
शाम को अड्डे पर-
राजन-इक़बाल, अगर कंप्यूटर वाली फ़ाइल हमारे हवाले कर दो तो हम राधाकृष्णन को छोड़ देंगे और तुम्हें मालामाल कर देंगे!
यह आवाज़ सामने की दीवार के पीछे से आ रही है। शायद बॉस वहीं होगा!
हम लोग पैसों की खातिर बिकने वालों में से नहीं हैं!
मैं तीन तक गिनती गिनूंगा! न की तो गोलियों से भून दिए जाओगे!

एक.....
!?!

दो.....
दीवार के पीछे से ही आवाज़ आ रही है! मुझे कुछ करना चाहिए!

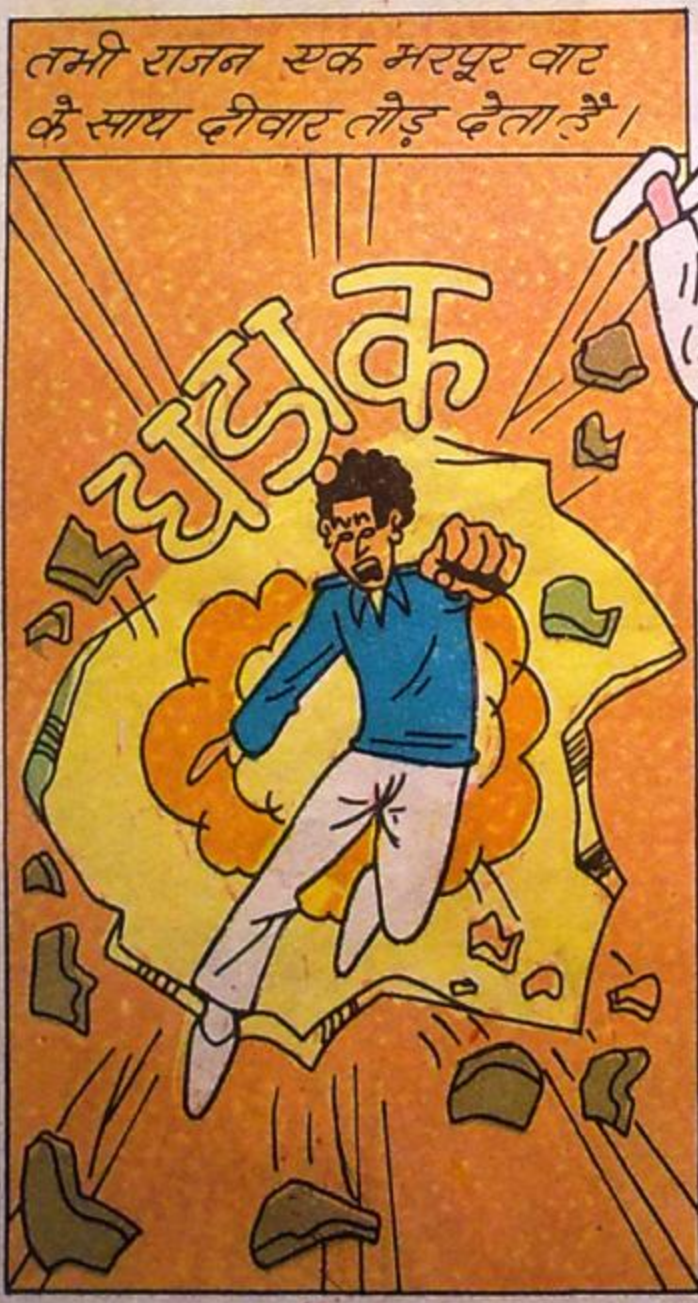
तभी राजन एक भरपूर वार के साथ दीवार तोड़ देता है।
धड़ाक

तो तुम हो अंतर्राष्ट्रीय लुटेरों के बॉस!

हा हा हा हा हा.....
!?

हा हा हा..... मूर्ख, मैं तुम लोगों से सैकड़ों मील दूर बैठा हूँ! इस अड्डे का संचालन तो मेरा मशीनी रोबोट करता था! जिसे तुमने ख़राब कर दिया!

!?!

मेरा यह अड्डा भी अब किसी काम का नहीं रहा..... इसे भी ख़त्म करना होगा!

थोड़ी देर में ही यहाँ चारों तरफ आग लग जाएगी! न अड्डा बचेगा, न मेरे आदमी न तुम तीनों हा हा हा..

हा हा..... बिल्डिंग से बाहर जाने के सारे दरवाज़े मैंने रिमोट कंट्रोल से बंद कर दिए हैं!

खिड़की से कूद भी नहीं सकते क्योंकि इस समय तुम दसवीं मंजिल पर हो..... हा हा हा.....!

आग देखकर फायर ब्रिगेड वाले तुरंत आ जाते हैं-

बाद में-

तुम दोनों ने वह काम कर दिखाया जिसे सारी दुनिया भर की पुलिस भी न कर सकी!

लेकिन असली अपराधी को पकड़ना अभी बाकी है, जब तक उसे पकड़ नहीं लेते तब तक हमें चैन नहीं पड़ेगा!

रंजन- इकबाल और वैज्ञानिक राधाकृष्णन कुछ दिन अमरीका घूम कर वापिस भारत के लिए रवाना होते हैं।

- आखिर अंतर्राष्ट्रीय लुटेरों का बॉस कौन है?
- किस देश में उनका मुख्य अड्डा है?
- क्या रंजन- इकबाल मुख्य अड्डे का पता लगा पाते हैं?
- यह सब जानने के लिए पढ़िए इस रोमांचक कॉमिक का अगला भाग- **मौत से टक्कर**

बच्चों के रंगीन, मनमोहक

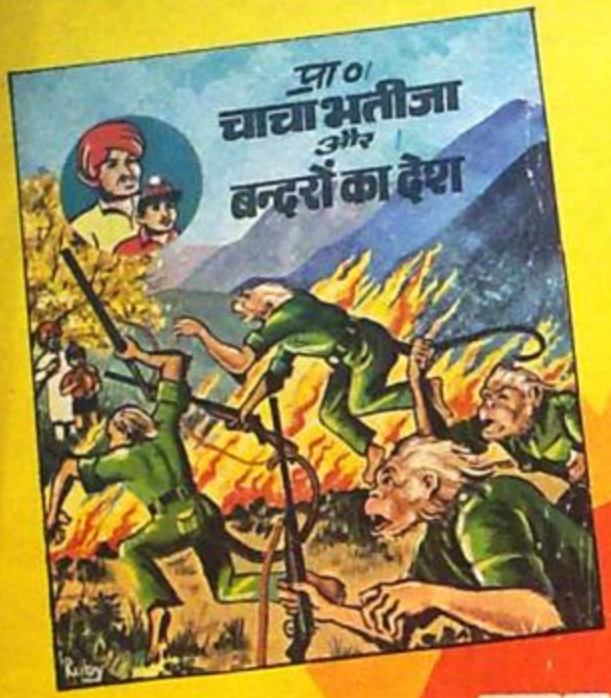

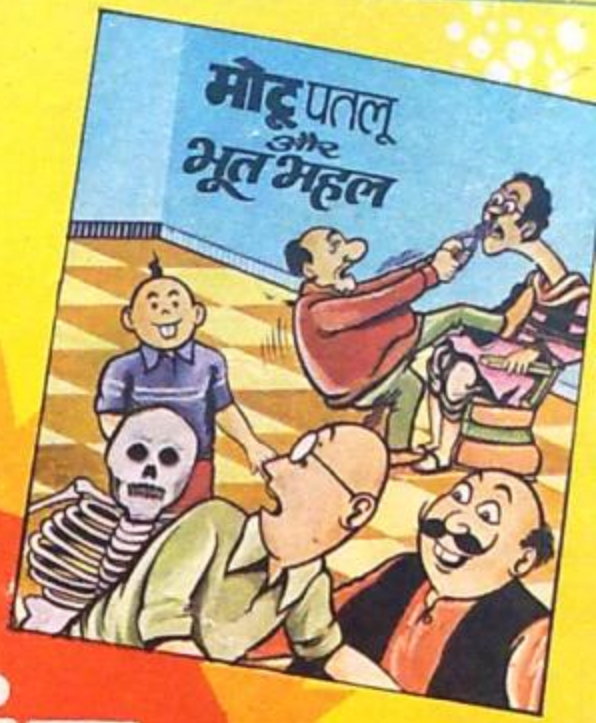

नये डायमंड कामिक्स

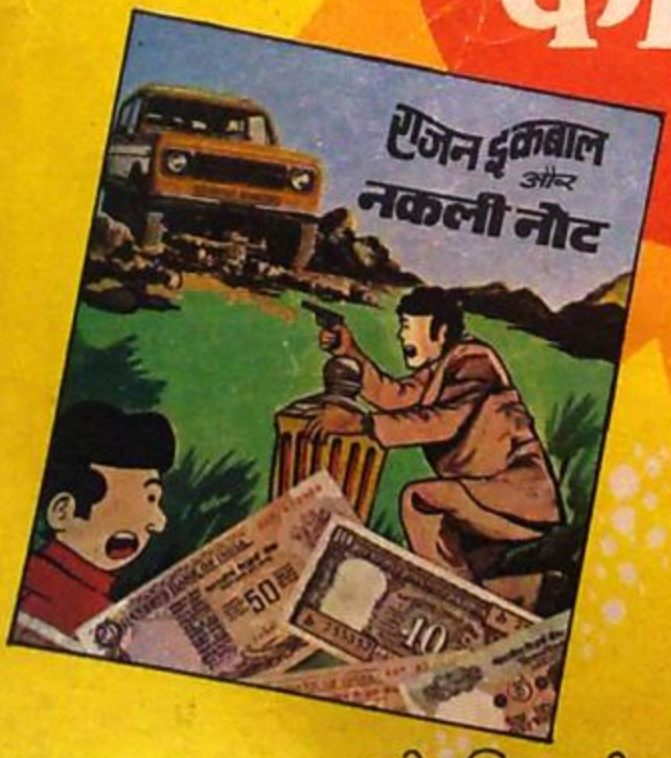

अपने निकट के बुक स्टाल से खरीदें!

डायमंड कामिक्स 7/5 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002